INDIAN HISTORY

By RAKESH SAO

मगध साम्राज्य

विषय-सूची

RAIPUR - GOL CHOCK , NEAR NIT RAIPUR
BHILAI - SMRITI NAGAR , BHILAI
CONTACT - 9302766733 , 9827112187
Prepared By RAKESH SAO

मगध साम्राज्य (545 ई. पू. - 184 ई. पू.)

हर्यक वंश / पितृ हन्ता 545 ई.पू. - 412 ई.पू.	शिशुनाग वंश 412 ई.पू. - 345 ई.पू.	नन्द वंश 344 ई.पू. - 322 ई.पू.	मौर्य वंश 322 ई.पू. - 184 ई.पू.
(1) बिम्बिसार (2) अजातशत्रु (3) उदायिन (4) नागदशक	(1) शिशुनाग (2) कालाशोक (3) नन्दिवर्धन	(1) महापदमनन्द (2) घनानंद	(1) चन्द्रगुप्त मौर्य (2) बिन्दुसार (3) अशोक

मगध साम्राज्य	शासक	धर्म	राजधानी	नगर बसाया	विशेष
हर्यक वंश (पितृ हन्ता वंश) 545 ई.पू. - 412 ई.पू.	बिम्बिसार	बौद्ध	गिरीब्रिज	राजगृह	बुद्ध का मित्र
	आजातशत्रु	बौद्ध	राजगृह		483 ई.पू. - प्रथम बौद्ध संगीति - राजगृह
	उदायिन	**जैन**	पाटलीपुत्र	पाटलीपुत्र	
	नागदशक	**जैन**			
शिशुनाग वंश 412 ई.पू. - 345 ई.पू.	शिशुनाग		वैशाली		
	कालाशोक	बौद्ध			383 ई.पू. - द्वितीय बौद्ध संगीति - वैशाली
	नन्दिवर्धन				
नंद वंश 344 ई.पू. - 322 ई.पू.	महापदमनंद				
	घनानंद				सिकंदर का समकालीन
मौर्य वंश 322 ई.पू. - 184 ई.पू.	चंद्रगुप्त मौर्य	**जैन**	पाटलीपुत्र		322 ई.पू. - प्रथम जैन संगीति - पाटलीपुत्र
	बिन्दुसार	आजीवक संप्रदाय	पाटलीपुत्र		
	अशोक	बौद्ध	पाटलीपुत्र		251 ई.पू. - तृतीय बौद्ध संगीति - पाटलीपुत्र
	कुणाल				
	दशरथ				
	वृहद्रथ				**अंतिम शासक**

हर्यक वंश (545 ई.पू. - 412 ई.पू.)

- हर्यक वंश के संस्थापक - बिम्बिसार (श्रेणिक)
- हर्यक वंश का उपनाम - पितृ हन्ता वंश

बिम्बिसार (545 ई.पू. - 493 ई.पू.)

- संस्थापक - मगध साम्राज्य
- संस्थापक - हर्यक वंश

सामान्य परिचय

- उपनाम - श्रेणिक
- राजधानी - गिरीबृज
- शहर बसाया - राजगृह
- धर्म - बौद्ध धर्म
- दरबारी - जीवक (राजवैध)
- मित्र व संरक्षक - गौतम बुद्ध

बिम्बिसार की पत्नियाँ

क्र.	पत्नी	विवरण	पुत्र
प्रथम विवाह	चेलना (छलना)	वैशाली के लिच्छवी प्रमुख चेटक की पुत्री	अजातशत्रु
द्वितीय विवाह	महाकोशला	कोसल नरेश प्रसेनजीत की बहन	
तृतीय विवाह	क्षेमा	मद्र की राजकुमारी	

- **राजवैध जीवक**

क्र.	व्यक्ति	विवरण
1	गौतम बुद्ध	तीसरी बार देवदत्त ने गिद्धकूट पहाड़ी से शिलाखण्ड फेंककर बुद्ध को घायल कर दिया इसका उपचार बिम्बिसार के राजवैध जीवक ने किया	
2	अवन्ती नरेश प्रघोत	बिम्बिसार ने राजवैध जीवक को अवन्ती नरेश प्रघोत की **पीलिया (पांडू)** नामक बीमारी को ठीक करने के लिए भेजा	
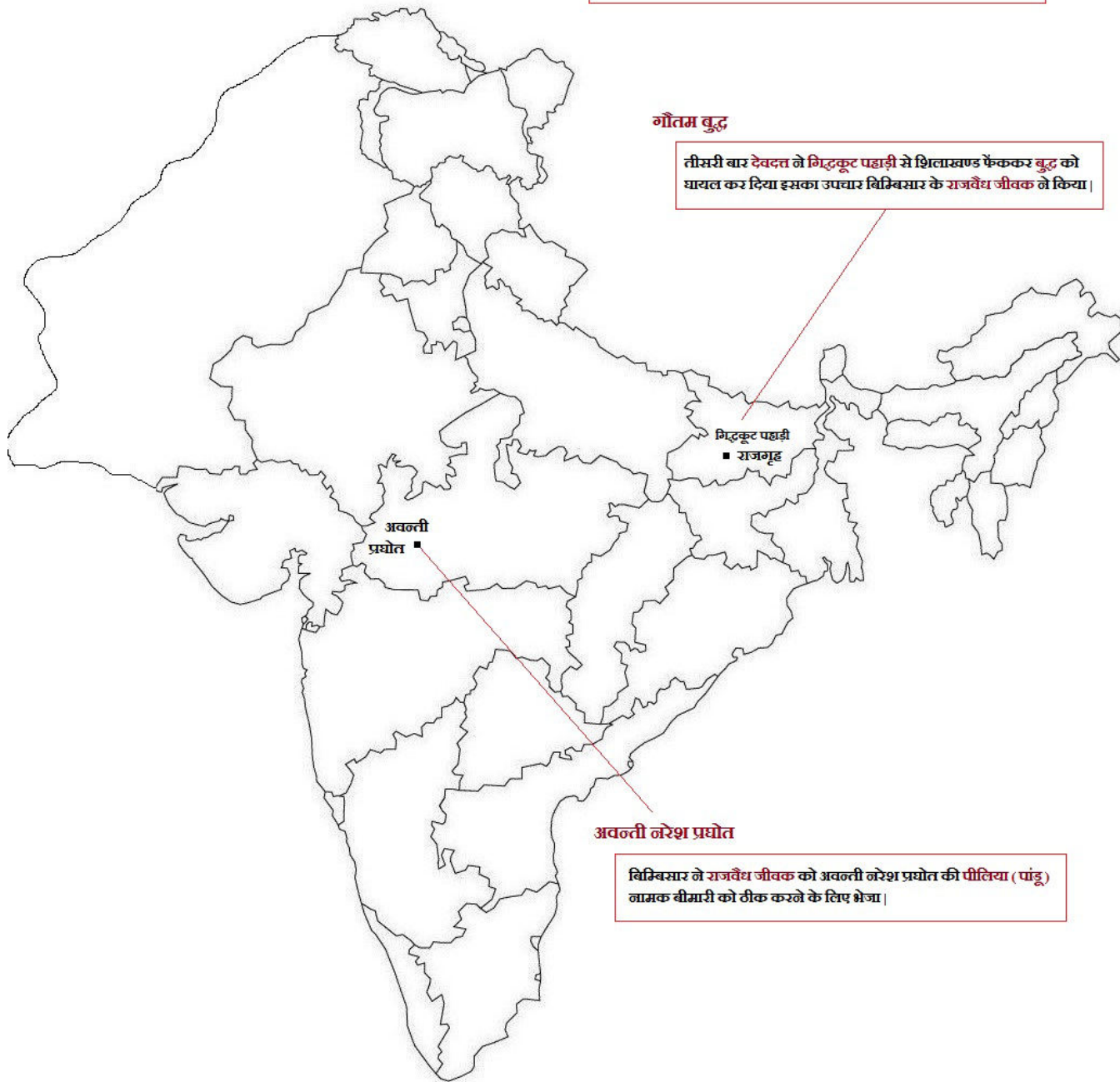
वेलुवन विहार

- बुद्ध का प्रथम विहार - वेलुवन
- बिम्बिसार ने गौतम बुद्ध के निवास के लिए वेलुवन नामक विहार बनवाया |

त्रियक नीति

- बिम्बिसार ने अपने साम्राज्य की स्थापना के लिए **त्रियक नीति** अपनायी |
    1. युद्ध
    2. विवाह
    3. मैत्री

अंग व चम्पा

- युद्ध में जीता - अंग व चम्पा
- **ब्रम्हदत्त** को हराकर अंग राज्य को जीता |

अजातशत्रु (493 ई.पू. - 461 ई.पू.)

- अपने पिता बिम्बिसार की हत्या कर गद्दी पर बैठा |

सामान्य परिचय

- उपनाम - कुनिक
- राजधानी - राजगृह
- धर्म - बौद्ध धर्म

पारिवारिक परिचय

- पिता - बिम्बिसार
- माता - चेलना (छलना)
- पत्नी - वाजिरा (प्रसेनजीत की पुत्री)
- पुत्र - उदायिन

कोसल युद्ध

- कोसल नरेश प्रसेनजीत Vs अजातशत्रु
- विजेता - अजातशत्रु
- समझौता के बाद प्रसेनजीत ने अपनी पुत्री **वाजिरा** का विवाह अजातशत्रु से कर दिया |

काशी व वज्जि मगध में विलय

- युद्ध में जीता - काशी व वज्जि

प्रथम बौद्ध सम्मलेन (483 ई.पू.)

- आयोजन - 483 ई.पू.
- आयोजन स्थल - सप्तपर्णी गुफा (राजगृह)
- शासक - अजातशत्रु
- अध्यक्ष - महाकश्यप

विश्व शांति स्तूप

- निर्माण - 483 ई.पू.
- स्थान - राजगृह
- निर्माता - अजातशत्रु
- अजातशत्रु ने बुद्ध के अवशेषों को लेकर राजगृह में "विश्व शांति स्तूप" बनवाया |
- विश्व का पहला बौद्ध स्तूप
- विश्व का सबसे ऊँचा स्तूप
  बिहार के राजगीर के पहाड़ियों पर स्थित 'विश्व शांति स्तूप' विश्व का सबसे ऊँचा स्तूप है |
- ऊंचाई - 400 मीटर

उदायिन (461 ई.पू. - 445 ई.पू.)

- अपने पिता अजातशत्रु की हत्या कर गद्दी पर बैठा |

सामान्य परिचय

- राजधानी - पाटलिपुत्र
- शहर बसाया - पाटलिपुत्र (गंगा तथा सोन नदी के तट पर)
- धर्म - जैन धर्म

पारिवारिक परिचय

- पिता - अजातशत्रु
- माता - वाजिरा (प्रसेनजीत की पुत्री)
- 3 पुत्र - 1. अनिरुद्ध 2. मुंडक 3. नागदशक
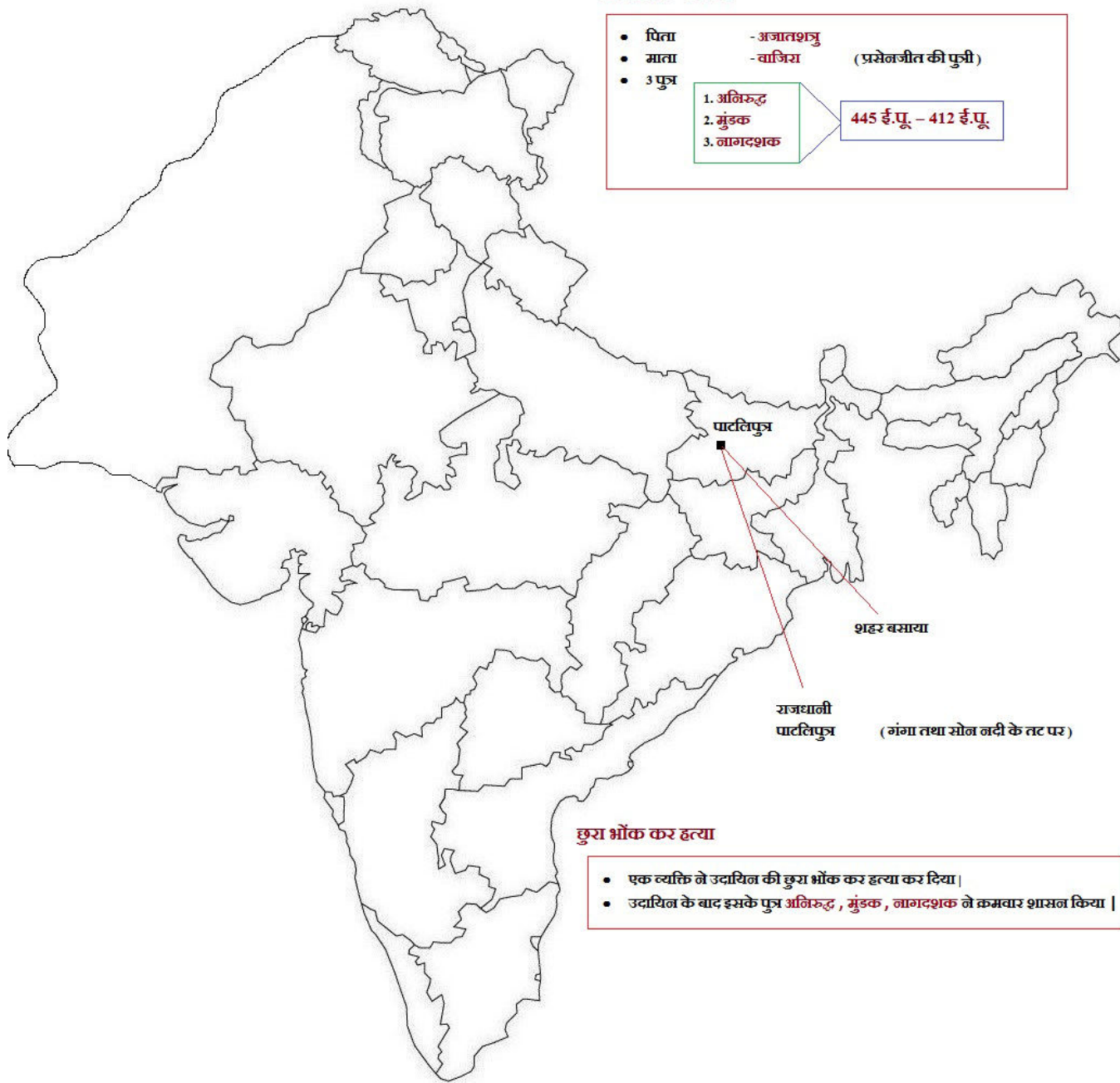
छुरा भोंक कर हत्या

- एक व्यक्ति ने उदायिन की छुरा भोंक कर हत्या कर दिया |
- उदायिन के बाद इसके पुत्र **अनिरुद्ध , मुंडक तथा नागदशक** ने क्रमवार शासन किया |

नागदशक (412 ई.पू. तक)

- राजधानी - पाटलिपुत्र
- धर्म - जैन धर्म
- नागदशक का सेनापति - शिशुनाग
- नागदशक की हत्या करके इसके **सेनापति शिशुनाग ने शिशुनाग वंश** की स्थापना की |

हर्यक वंश / पितृ हन्ता वंश (545 ई.पू. – 412 ई.पू.)

बिम्बिसार (545 ई.पू. – 493 ई.पू.)
• संस्थापक - मगध साम्राज्य
• संस्थापक - हर्यक वंश
सामान्य परिचय
• उपनाम - श्रेणिक
• राजधानी - गिरीबृज
• नगर बसाया - राजगृह
• धर्म - बौद्ध धर्म
• दरबारी - जीवक (राजवैध)
• मित्र व संरक्षक - गौतम बुद्ध
अंग व चम्पा
• युद्ध में जीता - अंग व चम्पा
• ब्रम्हदत्त को हराकर अंग राज्य को जीता |
चम्पा
अंग
गिरीबृज
राजगृह
वेलुवन विहार
• बुद्ध का प्रथम विहार - वेलुवन
• बिम्बिसार ने गौतम बुद्ध के निवास के लिए वेलुवन नामक विहार बनवाया |

बिम्बिसार (545 ई.पू. – 493 ई.पू.)

बिम्बिसार की पत्नियाँ

क्र.	पत्नी	विवरण	पुत्र
प्रथम विवाह	चेलना (छलना)	वैशाली के लिच्छवी प्रमुख चेटक की पुत्री	अजातशत्रु
द्वितीय विवाह	महाकोशला	कोसल नरेश प्रसेनजीत की बहन	
तृतीय विवाह	क्षेमा	मद्र की राजकुमारी	

बिम्बिसार (545 ई.पू. – 493 ई.पू.)

अजातशत्रु (493 ई.पू. – 461 ई.पू.)

सामान्य परिचय

- उपनाम - कुनिक
- राजधानी - राजगृह
- धर्म - बौद्ध धर्म

पारिवारिक परिचय

- पिता - बिम्बिसार
- माता - चेलना (छलना)
- पत्नी - वाजिरा (प्रसेनजीत की पुत्री)
- पुत्र - उदायिन

कोसल युद्ध

- कोसल नरेश प्रसेनजीत Vs अजातशत्रु
- विजेता - अजातशत्रु
- समझौता के बाद प्रसेनजीत ने अपनी पुत्री वाजिरा का विवाह अजातशत्रु से कर दिया।

प्रथम बौद्ध सम्मलेन (483 ई.पू.)

- आयोजन - 483 ई.पू.
- आयोजन स्थल - सप्तपर्णी गुफा (राजगृह)
- शासक - अजातशत्रु
- अध्यक्ष - महाकश्यप

विश्व शांति स्तूप

- निर्माण - 483 ई.पू.
- स्थान - राजगृह
- निर्माता - अजातशत्रु
- अजातशत्रु ने बुद्ध के अवशेषों को लेकर राजगृह में "विश्व शांति स्तूप" बनवाया।
- विश्व का पहला बौद्ध स्तूप
- विश्व का सबसे ऊँचा स्तूप
  बिहार के राजगीर के पहाड़ियों पर स्थित 'विश्व शांति स्तूप' विश्व का सबसे ऊँचा स्तूप है।
- ऊंचाई – 400 मीटर

उदायिन (461 ई.पू. – 445 ई.पू.)

RAIPUR - GOL CHOCK , NEAR NIT RAIPUR
BHILAI - SMRITI NAGAR , BHILAI
CONTACT - 9302766733 , 9827112187
Prepared By RAKESH SAO

नागदशक (412 ई.पू. तक)